वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:6 अंक: 27 | शनिवार 27 जून 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्य सचिव ने किया राजस्थान संपर्क पोर्टल (181) का निरीक्षण

एआई का उपयोग शिकायतों के वर्गीकरण तथा डेटा आधारित निर्णय प्रक्रिया में किया जाए: श्रीनिवास

साइबर फ्रॉड से प्रभावित नागरिकों से बात कर उनकी समस्या के समाधान के दिए निर्देश

पोर्टल की कार्यप्रणाली के अवलोकन के लिए आगामी 30 जून को केंद्र सरकार के सचिवों का दौरा प्रस्तावित

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शुक्रवार को राजस्थान संपर्क पोर्टल (181) कॉल सेंटर का निरीक्षण कर राजस्थान संपर्क 2.0 के अंतर्गत किए जा रहे तकनीकी सुधारों की समीक्षा और साइबर फ्रॉड से प्रभावित लोगों से बात की। उन्होंने शिकायतों के त्वरित एवं संतुष्टिपरक निस्तारण व आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस के प्रभावी उपयोग करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने साइबर फ्रॉड से प्रभावित नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी शिकायतों के निस्तारण की प्रगति, संबंधित विभागों द्वारा की गई कार्रवाई तथा उपलब्ध कराई जा रही सहायता की जानकारी ली। उन्होंने ऐसे मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करते हुए पीड़ितों को त्वरित राहत उपलब्ध कराने तथा सम्बंधित विभागों के बीच समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि राजस्थान संपर्क पोर्टल की तकनीकी कार्यप्रणाली और नवाचारों का अवलोकन करने के लिए आगामी 30 जून को केंद्र सरकार के सचिवों का दौरा प्रस्तावित है। उन्होंने इस दौरे की सभी आवश्यक तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने बताया कि राजस्थान संपर्क पोर्टल को राष्ट्रीय स्तर पर नेशनल काउंसिल ऑफ ई-गवर्नेंस (एनसीजी) के अंतर्गत बेहतरीन गवर्नेंस मॉडल के रूप में प्रदर्शित भी किया जाएगा।

समीक्षा बैठकों में विशेष रूप से भ्रष्टाचार, साइबर अपराध और महिला उत्पीड़न से जुड़े परिवादों की विस्तृत समीक्षा की जाएगी

श्रीनिवास ने कहा कि आगामी विजिट और समीक्षा बैठकों में विशेष रूप से भ्रष्टाचार, साइबर अपराध और महिला उत्पीड़न से जुड़े परिवादों की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस का उपयोग आमजन की शिकायतों के वर्गीकरण, रूट कॉज एनालिसिस, रियल-टाइम मॉनिटरिंग तथा डेटा आधारित निर्णय प्रक्रिया में किया जाए जिससे शिकायत निवारण प्रक्रिया अधिक स्मार्ट, प्रभावी एवं नागरिक-केंद्रित बन सके। उन्होंने अधिकारियों एवं कॉल सेंटर कार्मिकों के नियमित क्षमता विकास एवं प्रशिक्षण पर विशेष बल देते हुए कहा कि बदलती तकनीकों के अनुरूप दक्षता का निरंतर उन्नयन आवश्यक है। मुख्य सचिव ने शिकायतों के निस्तारण के उपरांत प्राप्त नागरिक फीडबैक एवं संतुष्टि स्तर की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायत निवारण व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए तथा नागरिकों की संतुष्टि ही सुशासन का सबसे महत्वपूर्ण मानक है। श्रीनिवास ने राजस्थान संपर्क 2.0 के अंतर्गत विकसित की जा रही नई तकनीकों, एआइ आधारित नवाचारों, शिकायतों की रियल-टाइम मॉनिटरिंग, संतुष्टि मूल्यांकन प्रणाली तथा शिकायत निवारण प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं परिणामोन्मुख बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की। इस दौरान राजस्थान संपर्क पोर्टल एवं संबन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहें।

राज्यपाल बागड़े निमेड़ा स्थित श्री श्याम गौशाला पहुंचे, भागवत कथा में सम्मिलित हुए

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े शुक्रवार को निमेड़ा स्थित श्री श्याम गौशाला पहुंचे। उन्होंने वहां चल रही भागवत कथा सुनी और श्री बालाजी मंदिर में पूजा अर्चना कर सबके मंगल की कामना की। राज्यपाल ने गौशाला में गायों को चारा खिलाया और वहां उपस्थित भागवत कथा सुनने वालों से संवाद करते हुए भगवान श्री कृष्ण की लीला और भगवद् भक्ति की सनातन भारतीय मूल्यों की उदात्त दृष्टि से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने वहीं पेड़ भी लगाया और वर्षा के मौसम में अधिक से अधिक पेड़ लगाने का आह्वान किया।

टूटते रिश्ते और उन्हें संभालने के उपाय

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और उसका जीवन रिश्तों के बिना अधूरा है। जन्म लेते ही वह माता-पिता, भाई-बहन, परिवार, मित्र, गुरु और समाज जैसे अनेक रिश्तों से जुड़ जाता है। यही रिश्ते जीवन को प्रेम, सुरक्षा, अपनापन और संबल प्रदान करते हैं। लेकिन बदलते समय के साथ अनेक रिश्ते धीरे-धीरे कमजोर होते जा रहे हैं। छोटी-छोटी गलतफहमियाँ, संवाद की कमी, अहंकार, स्वार्थ और व्यस्त जीवनशैली के कारण रिश्तों में दूरियाँ बढ़ रही हैं। यदि समय रहते इन कारणों को नहीं समझा गया, तो मजबूत से मजबूत संबंध भी टूट सकते हैं। रिश्ते एक नाजुक पौधे की तरह होते हैं। इन्हें प्रेम, विश्वास, सम्मान और समय रूपी जल मिलता रहे तो ये हरे-भरे रहते हैं, अन्यथा धीरे-धीरे मुरझाने लगते हैं।

रिश्ते क्यों टूटते हैं?

1. संवाद की कमी: जब लोग एक-दूसरे से खुलकर बात करना बंद कर देते हैं, तो गलतफहमियाँ जन्म लेने लगती हैं। मन की बातें मन में ही रह जाती हैं और दूरियाँ बढ़ने लगती हैं।

2. **अहंकार:** अहंकार रिश्तों का सबसे बड़ा शत्रु है। 'मैं क्यों झुकूँ?' की भावना कई अच्छे संबंधों को समाप्त कर देती है। जहाँ अहंकार बढ़ता है, वहाँ प्रेम स्वतः कम होने लगता है।

3. **विश्वास का टूटना:** विश्वास किसी भी रिश्ते की नींव होता है। एक बार विश्वास टूट जाए, तो उसे दोबारा स्थापित करने में बहुत समय, धैर्य और प्रयास लगता है।

4. **अत्यधिक अपेक्षाएं:** अत्यधिक अपेक्षाएं अक्सर निराशा को जन्म देती हैं। जब हम बिना स्वार्थ और सीमित अपेक्षाओं के प्रेम करते हैं, तो रिश्ते अधिक सहज और मजबूत बने रहते हैं।

5. **समय का अभाव:** आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अपनों के लिए समय नहीं निकाल पाते। परिणामस्वरूप भावनात्मक दूरी बढ़ने लगती है।

6. **क्रोध और कटु वचन:** एक कठोर शब्द वर्षों पुराने रिश्ते को भी आहत कर सकता है। मधुर वाणी रिश्तों को जोड़ती है, जबकि कटु वचन उन्हें तोड़ देते हैं।

टूटते रिश्तों के दुष्परिणाम: मानसिक तनाव और अकेलापन बढ़ता है। परिवार का वातावरण अशांत हो जाता है। बच्चों के व्यक्तित्व पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। सामाजिक सहयोग और विश्वास में कमी आती है। जीवन में खुशी, संतोष और आत्मीयता का अभाव महसूस होने लगता है।

रिश्तों को संभालने के उपाय

1. **खुलकर संवाद करें:** समस्याओं को मन में रखने के बजाय प्रेमपूर्वक बातचीत करें। सच्चा संवाद अनेक विवादों का समाधान बन सकता है।

2. **अहंकार छोड़ें:** रिश्तों को निभाने के लिए कभी-कभी स्वयं को झुकाना पड़ता है। झुकना कमजोरी नहीं, बल्कि रिश्ते के प्रति सम्मान और परिपक्वता का प्रतीक है।

3. **विश्वास बनाए रखें:** ईमानदारी, पारदर्शिता और अपने वचनों का पालन विश्वास को मजबूत बनाते हैं।

4. **क्षमा करना सीखें:** हर व्यक्ति से भूल हो सकती है। क्षमा रिश्तों को नया जीवन देती है और मन को भी शांति प्रदान करती है।

5. **समय दें:** व्यस्तता कितनी भी हो, परिवार और प्रियजनों के लिए समय अवश्य निकालें। साथ बिताए गए छोटे-छोटे पल रिश्तों को गहराई प्रदान करते हैं।

6. **मधुर वाणी अपनाएं:** बोलने से पहले सोचें। सम्मानजनक और मधुर शब्द रिश्तों में मिठास घोलते हैं।

7. **अपेक्षाओं को सीमित रखें:** जहाँ अपेक्षाएँ कम और अपनापन अधिक होता है, वहाँ रिश्ते अधिक सुखद और स्थायी बने रहते हैं।

8. **आभार व्यक्त करें:** छोटे-छोटे कार्यों के लिए भी धन्यवाद कहना रिश्तों में सम्मान और आत्मीयता बढ़ाता है।

9. **संवेदनशील बनें:** दूसरों की परिस्थितियों और भावनाओं को समझने का प्रयास करें। सहानुभूति और संवेदनशीलता रिश्तों को गहरा बनाती हैं।

10. **संस्कारों को अपनाएँ:** परिवार में सम्मान, सेवा, सहयोग और प्रेम के संस्कार बच्चों को भी मजबूत रिश्ते निभाना सिखाते हैं।

रिश्तों की वास्तविक पहचान

रिश्ते केवल खून के नहीं होते, बल्कि विश्वास, सहयोग, सम्मान और अपनत्व से बनते हैं। जो व्यक्ति कठिन समय में आपके साथ खड़ा रहे, वही सच्चा संबंध है। रिश्तों की मजबूती इस बात से नहीं मापी जाती कि हम कितनी बार मिलते हैं, बल्कि इस बात से कि हम एक-दूसरे के सुख-दुःख में कितनी ईमानदारी और आत्मीयता से साथ खड़े रहते हैं।

— अनिल माथुर
ज्वाला विहार, जोधपुर

उपाध्याय ऊर्जयन्तसागर जी महाराज

उपाध्याय श्री का नसियां में मंगल प्रवेश आज

जयपुर. शाबाश इंडिया

आचार्य श्री 108 विमलसागर जी महाराज के अंतिम दीक्षित शिष्य उपाध्याय श्री 108 ऊर्जयन्तसागर जी महाराज ससंघ का भव्य मंगल प्रवेश शनिवार, 27 जून 2026 को सायं 6 बजे दिगम्बर जैन नसियां भट्टारक जी में होगा। इस अवसर को भव्य बनाने के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया है। समाज के प्रमुख सदस्यों सुधांशु कासलीवाल, उमरावमल संघी, सुभाषचंद जैन जौहरी, सुरेश सबलावत, पी.के. जैन, राजीव जैन (गाजियाबाद), सुरेन्द्र कुमार मोदी, नवीन संघी, संजय पाटनी, रमेश बोहरा, मनोज झांझरी, मनीष बैद, मोहित राणा एवं ऋषभ जैन ने सामूहिक रूप से गाजे-बाजे के साथ श्रीफल भेंट कर उपाध्याय श्री को मंगल प्रवेश के लिए आमंत्रित किया। इस अवसर पर धर्मसभा को संबोधित करते हुए उपाध्याय श्री ऊर्जयन्तसागर जी महाराज ने कहा कि जीवन में आभार और कृतज्ञता का विशेष महत्व है। प्रत्येक व्यक्ति को उन लोगों के प्रति कृतज्ञ होना चाहिए, जिन्होंने उसके प्रति समता, दया और सहयोग का भाव रखा है। उन्होंने कहा कि अहिंसा ही जीवन का सच्चा मार्ग है तथा कृतज्ञता मनुष्य के व्यक्तित्व को महान बनाती है। इससे पूर्व धर्मसभा में स्वर्गीय गणेश कुमार राणा एवं स्वर्गीय ताराचंद जैन (स्वीट कैटर्स) को मरणोपरांत 'समाजभूषण' की उपाधि से सम्मानित किया गया। उनके परिजनों को 'गुरुभक्त परिवार' के रूप में सम्मान प्रदान किया गया। सभा का संचालन मनीष बैद ने किया तथा आभार विकास निधि बैराठी ने व्यक्त किया।

वर्ष 2011 से निरंतर जारी है बेजुबान पक्षियों की सेवा का अनुकरणीय अभियान

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन समाज की प्रेरणा से दिगंबर जैन सोशल ग्रुप, गंगापुर सिटी द्वारा वर्ष 2011 से दिगंबर जैन मंदिर नसियां जी परिसर में बेजुबान पक्षियों के लिए दाना-पानी की निःस्वार्थ सेवा निरंतर संचालित की जा रही है। मंदिर परिसर में निर्मित सुंदर एवं सुरक्षित चुग्गा पात्र में प्रतिदिन पक्षियों के लिए दाना तथा स्वच्छ जल की व्यवस्था की जाती है। यह सेवा आज भी पूर्ण श्रद्धा, समर्पण एवं नियमितता के साथ जारी है। इस पुण्य कार्य में सैकड़ों धर्मप्रेमी एवं जीव-दया के प्रति समर्पित श्रद्धालु तन, मन और धन से सहयोग कर रहे हैं। अनेक परिवार अपने जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ, पुण्यतिथि तथा अन्य मांगलिक अवसरों पर चुग्गा अर्पित कर अथवा आर्थिक सहयोग प्रदान कर इस सेवा से जुड़ते हैं। इन्हीं सहयोगी भामाशाहों के सतत योगदान से यह व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित हो रही है। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के अध्यक्ष नरेंद्र जैन नृपत्या ने बताया कि इस सेवा व्यवस्था का दायित्व अशोक जैन पांड्या अत्यंत समर्पण एवं उत्कृष्ट ढंग से निभा रहे हैं। ग्रुप के सचिव महेश जैन तथा कोषाध्यक्ष सुभाष जैन सोगानी भी सहसंयोजक के रूप में इस सेवा कार्य से सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। उन्होंने बताया कि आज अनेक श्रद्धालु स्वयं मंदिर परिसर में आकर अपने हाथों से चुग्गा पात्र में पक्षियों के लिए दाना डालते हैं तथा उसकी साफ-सफाई में भी सहयोग करते हैं। दिगंबर जैन मंदिर नसियां जी का परिसर प्राकृतिक हरियाली से आच्छादित, शांत एवं सुरक्षित वातावरण वाला स्थल है। यहां पक्षियों के लिए बनाई गई छोटी जलधारा में वे जल ग्रहण करते हैं तथा चुग्गा पात्र में बैठकर दाना चुगते हैं।

णमोकार महामंत्र की महिमा अनंत है : आर्यिका विज्ञा श्री

आर्यिका संघ का पुरानी टोंक से आदर्श नगर के लिए मंगल विहार आज, निर्माणाधीन नवीन कुएं का नाम रखा गया ''विज्ञा श्री क्षीर सागर''

जयपुर. शाबाश इंडिया। चंद्रप्रभु दिगंबर जैन नसियां, तेरापंथियान, पुरानी टोंक में परम पूज्य गणिनी आर्यिका विज्ञा श्री ससंघ के पावन सानिध्य में हर्ष, उल्लास एवं भक्ति भाव के साथ प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। गणिनी आर्यिका के सानिध्य में प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु मंगल प्रवचन, स्वाध्याय सभा, आनंद यात्रा तथा प्रश्नोत्तरी कार्यक्रमों में भाग लेकर धर्मलाभ प्राप्त कर रहे हैं। इससे संपूर्ण नसियां परिसर का वातावरण धर्ममय बना हुआ है। शुक्रवार प्रातः भगवान चंद्रप्रभु एवं भगवान शांतिनाथ का अभिषेक तथा वृहद शांतिधारा के उपरांत भगवान चंद्रप्रभु पूजा, भगवान शांतिनाथ पूजा, नित्य-नियम पूजा एवं नवदेवता पूजा संपन्न हुई। श्रद्धालुओं ने अर्घ्य एवं श्रीफल समर्पित कर पुण्यार्जन किया। प्रवक्ता राजेश अरिहंत ने बताया कि धर्मसभा में परम पूज्य गणिनी आर्यिका विज्ञा श्री के चरण प्रक्षालन एवं जिनवाणी भेंट करने का सौभाग्य निर्मल कुमार, राजेश अरिहंत, प्रतीक एवं सिद्धार्थ जैन सोनी परिवार को प्राप्त हुआ। धर्मसभा को संबोधित करते हुए गणिनी आर्यिका विज्ञा श्री ने कहा कि ''णमोकार महामंत्र की महिमा अनंत है।

इसका पूर्ण वर्णन संभव नहीं है। यह ऐसा महामंत्र है, जिसके नियमित जाप से व्यक्ति अपने पापकर्मों का क्षय कर आत्मकल्याण के मार्ग पर अग्रसर होता है। जिस परिवार में णमोकार महामंत्र रूपी कल्पवृक्ष स्थापित हो जाता है, वहां पुण्य का उदय, सुख, शांति और समृद्धि का वास होता है।'' उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में परिवारों में अनेक प्रकार के पापकर्मों के साधन सहज उपलब्ध हैं। ऐसे समय में पंच परमेष्ठी के इस सर्वोच्च महामंत्र का नियमित जाप ही व्यक्ति को पापकर्मों से मुक्त होने की प्रेरणा देता है। प्रत्येक श्रावक को प्रतिदिन कम से कम एक माला णमोकार महामंत्र का जाप अवश्य करना चाहिए। सुरेंद्र जयपुरिया ने बताया कि नसियां परिसर में निमार्णाधीन नवीन कुएं के जल से भगवान चंद्रप्रभु का अभिषेक किया गया। इसी जल का उपयोग गणिनी आर्यिका के आहारचर्या में भी किया गया तथा श्रद्धालुओं ने भी इसका पान किया। गणिनी आर्यिका ने कुएं के जल को मीठा, शुद्ध, शीतल, पाचन के लिए हितकारी एवं अत्यंत गुणवत्तापूर्ण बताया। धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं ने सर्वसम्मति से इस नवीन कुएं का नाम ₹विज्ञा श्री क्षीर सागर₹ रखने का निर्णय लिया। राकेश बिलासपुरिया ने बताया कि प्रवचन श्रृंखला के उपरांत आर्यिका संघ की आहारचर्या संपन्न हुई। दोपहर में स्वाध्याय एवं सामायिक तथा सायंकाल आनंद यात्रा एवं शंका समाधान प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम आयोजित हुए, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्मलाभ प्राप्त किया। संगीता बिलासपुरिया ने बताया कि प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के पुरस्कारों के पुण्यार्जक श्रीमती रतन देवी, चंद्रप्रकाश एवं ललित कुमार जैन बज परिवार रहे। गणिनी आर्यिका विज्ञा श्री ससंघ का पुरानी टोंक से आदर्श नगर के लिए मंगल विहार रविवार प्रातः बेला में होगा।

श्री नेमिनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक महोत्सव पर 1100 श्रद्धालु पहुंचेंगे गिरनार पर्वत

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के 22वें तीर्थंकर भगवान श्री नेमिनाथ के मोक्ष कल्याणक महोत्सव के अवसर पर उनकी मोक्षस्थली गुजरात स्थित पावन तीर्थ श्री गिरनार पर्वत पर 20 जुलाई 2026 को भव्य निर्वाण लाडू महोत्सव आयोजित किया जाएगा। इस पुण्य अवसर पर देश के विभिन्न शहरों से लगभग 1100 जैन श्रद्धालु 18 जुलाई 2026 से रेल, बस एवं हवाई मार्ग से गिरनार पहुंचेंगे। यात्रा के मुख्य संयोजक पवन गोधा (दिल्ली) ने बताया कि दिल्ली, जयपुर, अजमेर, भीलवाड़ा सहित देश के अनेक शहरों से श्रद्धालु पूर्ण धार्मिक वातावरण में इस यात्रा में भाग ले रहे हैं। इस ऐतिहासिक यात्रा को लेकर समाज में विशेष उत्साह एवं श्रद्धा का वातावरण है। उन्होंने बताया कि जयपुर से यात्रा की समस्त व्यवस्थाओं का दायित्व पीयूष जैन एवं अजय जैन (दिल्ली वाले) संभाल रहे हैं। यात्रियों के लिए आवागमन, आवास, भोजन तथा धार्मिक कार्यक्रमों की समुचित एवं विशेष व्यवस्था की गई है, जिससे यात्रा सुचारु रूप से संपन्न हो सके। उल्लेखनीय है कि आदिनाथ टीवी चैनल के संचालक एवं समाजसेवी पवन गोधा पिछले 12 वर्षों से जैन धर्म के शाश्वत तीर्थ श्री सम्मेद शिखरजी की विशाल यात्राओं का सफल संचालन कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में प्रतिवर्ष लगभग 10 से 11 हजार श्रद्धालु सम्मेद शिखरजी की यात्रा का लाभ प्राप्त करते हैं। अब तक लगभग 68 हजार श्रद्धालु इन धार्मिक यात्राओं में सहभागी बन चुके हैं।

राजनीति

क्या प्रतिभा का सही आकलन कर पाती हैं नीट जैसी परीक्षाएं?

डॉ. अरुण मित्रा

नीट जैसी राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षाओं का उद्देश्य योग्य विद्यार्थियों का निष्पक्ष चयन करना है, लेकिन हाल के वर्षों में प्रश्नपत्र लीक, परीक्षा प्रबंधन की खामियां और कोचिंग संस्कृति ने इस व्यवस्था की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। ऐसे में यह बहस जरूरी हो गई है कि क्या केवल एक प्रवेश परीक्षा किसी विद्यार्थी की वास्तविक प्रतिभा का सही आकलन कर सकती है। हाल के वर्षों में कई प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाएं सामने आई हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार पिछले एक दशक में अनेक महत्वपूर्ण परीक्षाएं इससे प्रभावित हुई हैं। हर बार परीक्षा रद्द होने या दोबारा आयोजित होने से लाखों विद्यार्थियों को मानसिक तनाव, आर्थिक बोझ और अनिश्चितता का सामना करना पड़ता है। कई अभ्यर्थी वर्षों की तैयारी के बाद परीक्षा देते हैं और एक ही अवसर पर उनका भविष्य निर्भर हो जाता है। ऐसे में परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी उनके आत्मविश्वास पर गहरा असर डालती है। परीक्षा प्रणाली का एक दूसरा पक्ष तेजी से बढ़ती कोचिंग संस्कृति है। दसवीं के बाद अनेक विद्यार्थी नियमित स्कूली शिक्षा से अधिक समय कोचिंग संस्थानों में बिताने लगते हैं। वहां उनका मुख्य लक्ष्य केवल प्रवेश परीक्षा में अधिक अंक प्राप्त करना रह जाता है। इससे शिक्षा का व्यापक उद्देश्य जिज्ञासा, तार्किक सोच, सामाजिक संवेदनशीलता और व्यक्तित्व विकास पीछे छूट जाता है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए महंगी कोचिंग एक अतिरिक्त चुनौती बन जाती है, जिससे अवसरों की समानता भी प्रभावित होती है। प्रतिभा का मूल्यांकन केवल एक दिन की परीक्षा से करना भी कई सवाल खड़े करता है। किसी विद्यार्थी का प्रदर्शन स्वास्थ्य, मानसिक स्थिति या अन्य परिस्थितियों से प्रभावित हो सकता है। इसलिए यह आवश्यक है कि मूल्यांकन प्रणाली में निरंतर शैक्षणिक प्रदर्शन, विश्लेषणात्मक क्षमता और विषय की समझ जैसे पहलुओं पर भी विचार किया जाए। हालांकि केवल बोर्ड परीक्षाओं के अंकों पर आधारित प्रवेश व्यवस्था भी पूरी तरह निष्पक्ष नहीं मानी जा सकती, क्योंकि विभिन्न शिक्षा बोर्डों के मूल्यांकन मानकों में अंतर होता है। परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसियों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी प्रक्रिया की गोपनीयता और पारदर्शिता बनाए रखना है।

संपादकीय

मानवीय संकट और वैश्विक जिम्मेदारी

24 जून 2026 की शाम वेनेजुएला के इतिहास में एक काले अध्याय के रूप में दर्ज हो गई। उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में महज 39 सेकंड के अंतराल पर आए 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो शक्तिशाली भूकंपों ने पूरे देश को दहला दिया। इसे पिछले 126 वर्षों का सबसे विनाशकारी भूकंप माना जा रहा है। राजधानी काराकास, ला गुआइरा और आसपास के क्षेत्रों में अनेक बहुमंजिला इमारतें ताश के पत्तों की तरह ढह गईं। हजारों लोग

मलबे में दब गए। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार अब तक लगभग 235 लोगों की मौत हो चुकी है, 4,300 से अधिक घायल हैं और बड़ी संख्या में लोग अब भी लापता हैं। राहत एवं बचाव दल लगातार मलबे में जीवित लोगों की तलाश में जुटे हैं। भूकंप का केंद्र याराकुई राज्य के सान फेलिपे के निकट था। विशेषज्ञों के अनुसार दोनों झटके अपेक्षाकृत उथली गहराई पर आए, जिससे सतह पर विनाश कई गुना बढ़ गया। अनेक आवासीय इमारतें ''पैनकेक'' शैली में ढह गईं, जहां ऊपरी मंजिलें निचली मंजिलों पर गिर गईं। इससे बचाव अभियान अत्यंत कठिन हो गया है। ला गुआइरा को आपदा क्षेत्र घोषित किया गया है। सड़कें, पुल और अन्य बुनियादी ढांचे गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हैं। बिजली, पानी और संचार सेवाएं बाधित हैं, जबकि लगातार आ रहे आफ्टरशॉक्स लोगों में भय का माहौल बनाए हुए हैं। यह त्रासदी केवल प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि वर्षों से चली आ रही आर्थिक बदहाली, भ्रष्टाचार और कमजोर निर्माण व्यवस्था की भी परिणति है। अनेक इमारतें भूकंपरोधी मानकों के अनुरूप नहीं थीं। सरकार ने आपातकाल घोषित किया है, लेकिन सीमित संसाधन और राजनीतिक अस्थिरता राहत कार्यों में बाधा बन रहे हैं। लाखों लोग बेघर हो चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र सहित कई अंतर्राष्ट्रीय संगठनों ने सहायता का आश्वासन दिया है, किंतु राहतकर्मियों को दवाओं, स्वच्छ पेयजल, भोजन, अस्थायी आश्रय और भारी मशीनरी की तत्काल आवश्यकता है। इस आपदा ने पहले से आर्थिक मंदी, महंगाई और बड़े पैमाने पर पलायन से जूझ रहे वेनेजुएला के मानवीय संकट को और गंभीर बना दिया है। अस्पताल घायलों से भरे हुए हैं और स्वास्थ्य व्यवस्था पर अभूतपूर्व दबाव है। बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। शारीरिक उपचार के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य सहायता की भी तत्काल आवश्यकता है, क्योंकि हजारों परिवारों ने एक ही रात में अपने प्रियजन, घर और आजीविका खो दी है। ऐसे समय में वैश्विक समुदाय की जिम्मेदारी केवल संवेदना व्यक्त करने तक सीमित नहीं रह सकती। अमेरिका, यूरोपीय संघ, चीन तथा पड़ोसी देशों ब्राजील और कोलंबिया को तत्काल राहत सामग्री और विशेषज्ञ सहायता उपलब्ध करानी चाहिए। भारत भी चिकित्सा दल, दवाइयों और आपदा प्रबंधन विशेषज्ञों के माध्यम से महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

-राकेश जैन गोदिका

पुस्तक समीक्षा

"दरमियां मेरे तुम्हारे"

लेखिकाः पूजा अग्रवाल

पूजा अग्रवाल द्वारा रचित 'दरमियाँ मेरे तुम्हारे' एक बेहद संवेदनशील और भावपूर्ण लघुकविता संग्रह है, जो प्रेम और मानवीय रिश्तों के अनछुए पहलुओं को बड़ी ही खूबसूरती से उजागर करता है । यह कृति कवयित्री के गहन अंतर्मन और भावनाओं की परिपक्वता को दर्शाती है। पुस्तक की मूल आत्मा प्रेम के इर्द-गिर्द घूमती है, जहाँ प्रेम केवल एक शारीरिक आकर्षण या मिलन मात्र नहीं है, बल्कि यह आत्मा का मूलतत्त्व है। इस संग्रह में रूमानी प्यार, प्लेटोनिक प्रेम, दिव्य प्रेम, वात्सल्य और प्रकृति प्रेम के अनगिनत रंग बिखरे हुए हैं। कवयित्री ने प्रेम के आनंद और सुख से अधिक उसके अलिखित सौंदर्य यानी विरह, वियोग, तड़प, वेदना और कभी न खत्म होने वाले इंतजार को अपनी कविताओं में बड़ी ही शिद्दत से पिरोया है। पूजा अग्रवाल (जन्मः 4 अप्रैल, हनुमानगढ़) वर्तमान में जोधपुर, राजस्थान में,असिस्टेंट प्रोफेसर (समाजशास्त्र) के रूप में कार्यरत हैं। बहुमुखी प्रतिभा की धनी पूजा ने समाजशास्त्र, चित्रकला, शिक्षा और कानून में उच्च शिक्षा प्राप्त की है। वर्ष 1995 से निरंतर सृजनरत पूजा जी कविता, गीत, गजल और कहानी विधाओं में लिखती हैं। उनकी प्रमुख प्रकाशित कृतियों में 'यादों का मौसम', 'दरमियाँ मेरे तुम्हारे' और राजस्थान साहित्य अकादमी द्वारा चयनित 'सोचा ना था' शामिल हैं। हाल ही में उन्हें 'प्रेम प्रसून लघुकविता सम्मान 2026' से नवाजा गया है। उनकी रचनाएं आकाशवाणी जोधपुर और विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रसारित होती रहती हैं। कम शब्दों में गहरी बात कह देना लघुकविता विधा की पहचान है और पूजा अग्रवाल

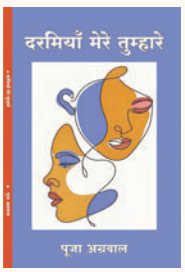

की लेखनी इस पर पूरी तरह खरी उतरती है। 'ठहरा सा चाँद', 'गवाह', 'बस मौन से काम लेना' जैसी कविताएँ जहाँ प्रेम की मखमली अनुभूतियों और शांत समर्पण को दर्शाती हैं, वहीं 'इंतजार' जैसी रचनाएँ दिल में एक खामोश तूफान की तरह दस्तक देती हैं। संग्रह केवल प्रिय-प्रेयसी के रूमानी रिश्तों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें पारिवारिक और सामाजिक संवेदनाएँ भी गहराई से समाहित हैं। 'पिता' नामक लघुकविता माँ के जाने के बाद एक पिता के अकेलेपन और उनकी अनकही खामोशी के दर्द को जिस तरह बयां करती है, वह किसी भी पाठक की आँखें नम करने के लिए काफी है। इसके साथ ही, इस संग्रह का एक बेहद सशक्त पहलू स्त्री-विमर्श और आत्म-बोध भी है। 'स्त्री', 'सुनहरी रेत', 'पताका' और 'अपने हक में' जैसी लघुकविताओं के माध्यम से कवयित्री ने पारंपरिक बंधनों से इतर स्त्री की आजादी, उसकी प्रगति और उसके स्वतंत्र अस्तित्व की वकालत की है। वह स्त्री को किसी के हाथ की पतंग नहीं, बल्कि मंदिर की उस स्वतंत्र पताका की तरह देखना चाहती है जो निष्कपट भाव से सबका स्वागत करती है। पुस्तक की भाषा सहज, प्रवाहमयी और सीधे दिल को छूने वाली है। नए रूपकों और बिंबों के प्रयोग ने कविताओं की संप्रेषणीयता को और अधिक प्रभावशाली बना दिया है। संक्षेप में कहें तो, 'दरमियाँ मेरे तुम्हारे' हर उस पाठक के लिए एक संग्रहणीय पुस्तक है जो प्रेम की पराकाष्ठा को महसूस करना चाहता है। यह संग्रह विशेषकर युवा पाठकों को सच्चे प्रेम और रिश्तों की गहराई को समझने के लिए एक नया और परिपक्व दृष्टिकोण प्रदान करता है।

-डॉ मधुकांत (सूर पुरस्कार विजेता)

अखिल भारतीय खंडेलवाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन 27-28 जून को इंदौर में

इंदौर. शाबाश इंडिया

संस्कार और परंपराओं का संगम ही सुखी वैवाहिक जीवन का आधार होता है। समाज के युवक-युवतियों को योग्य जीवनसाथी चुनने के लिए एक सशक्त मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अखिल भारतवर्षीय खंडेलवाल वैश्य महासभा, जयपुर, खंडेलवाल समाज इंदौर, संत सुंदरदासजी पारमार्थिक ट्रस्ट एवं संस्कृति वुमन्स क्लब, इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में अखिल भारतीय खंडेलवाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन-2026 का आयोजन 27 एवं 28 जून को लायंस डेन-207, जावरा कम्पाउंड, एम.वाई. हॉस्पिटल के सामने, इंदौर में किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतवर्षीय खंडेलवाल वैश्य महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेशचंद्र गुप्ता (तुंगा वाले) होंगे। अध्यक्षता उद्योगपति एवं वरिष्ठ समाजसेवी तथा रुचि रियलिटी ग्रुप, इंदौर के मनीष शाहरा करेंगे। प्रमुख अतिथि भाजपा के मध्यप्रदेश प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल होंगे। विशिष्ट अतिथियों में महासभा के मुख्य कार्यकारी अध्यक्ष संजीव कट्टा, प्रधानमंत्री चंद्रप्रकाश टटार, मध्यप्रदेश शासन के नगरीय प्रशासन एवं संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, इंदौर सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव तथा विधायक गोलू शुक्ला शामिल रहेंगे। महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रो. रमेश कुमार रावत ने बताया कि सम्मेलन के अवसर पर ''परिणय बंधन'' स्मारिका का भी प्रकाशन किया जाएगा। आयोजन को सफल बनाने के लिए समाज के वरिष्ठजन एवं कार्यकर्ता लगातार तैयारियों में जुटे हुए हैं। आयोजन समिति के दिनेश कूलवाल, केशवचंद्र खंडेलवाल, सुनील (सीए), राजेश खंडेलवाल, सुनील माली, संगीता कूलवाल, सुनीता राजोरिया, उषा कूलवाल, नेहा कूलवाल एवं मीनाक्षी तांबी ने इंदौर स्थित खजराना गणेश मंदिर में प्रथम पूज्य भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर सम्मेलन के सफल एवं निर्विघ्न आयोजन की प्रार्थना की। सम्मेलन के मार्गदर्शक के रूप में रमेशचंद्र गुप्ता एवं दिनेश कूलवाल, जबकि आयोजक के रूप में संगीता कूलवाल (अध्यक्ष, संस्कृति वुमन्स क्लब, इंदौर) तथा विशिष्ट सहयोगी सुनील माली खंडेलवाल अपनी सेवाएं दे रहे हैं। पंजीकरण के लिए दिनेश कूलवाल, संगीता कूलवाल एवं शुभांगी भूखमारिया से संपर्क किया जा सकता है। देशभर के प्रतिभागी अपने-अपने क्षेत्र के प्रतिनिधियों के माध्यम से भी आवेदन प्रपत्र जमा कर सकते हैं। सम्मेलन में देशभर से बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य एवं समाजबंधु सहयोग करेंगे। आयोजन समिति ने आवेदन प्रक्रिया के लिए कुछ आवश्यक निर्देश भी जारी किए हैं। इनके अनुसार आवेदन पत्र स्पष्ट एवं पूर्ण रूप से भरना अनिवार्य होगा। प्रत्याशी के दो रंगीन फोटो, जिनके पीछे नाम अंकित हो, आवेदन के साथ संलग्न किए जाएं। साथ ही अभिभावकों से आग्रह किया गया है कि संबंध तय करने से पूर्व सभी जानकारियों का स्वयं सत्यापन अवश्य करें। संस्कृति वुमन्स क्लब, इंदौर एवं समस्त आयोजन समिति ने समाज के सभी बंधुओं से इस सामाजिक महाकुंभ में सहभागिता कर समाज के युवाओं के उज्ज्वल एवं सुखद भविष्य के निर्माण में सहयोग करने का आह्वान किया है। सीएआईटी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रमेशचंद्र गुप्ता, महासभा के कार्यालय मंत्री रामकिशोर खूंटेटा, कोषाध्यक्ष गंगाराम खंडेलवाल, राष्ट्रीय युवा संयोजक शरद फरसोईया, महासभा पत्रिका के मुख्य संपादक राम निरंजन खूंटेटा सहित राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, छत्तीसगढ़, झारखंड, असम, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश तथा दिल्ली, कोलकाता, अहमदाबाद, हैदराबाद, मुंबई, रतलाम, राजनांदगांव सहित देश के अनेक शहरों के पदाधिकारियों एवं समाजजनों ने सम्मेलन की सफलता के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

रिलायंस रिटेल भारत में ''ग्रेट प्लेस टू वर्क'' की सूची में 13वें स्थान पर

रिलायंस इंडस्ट्रीज और रिलायंस रिटेल को ''नेशन बिल्डर्स एम्प्लॉयर्स'' श्रेणी में भी मिली मान्यता

मुंबई. शाबाश इंडिया

रिलायंस रिटेल को भारत में काम करने के लिए सर्वश्रेष्ठ कंपनियों की सूची में 13वां स्थान प्राप्त हुआ है। ''ग्रेट प्लेस टू वर्क इंस्टीट्यूट'' द्वारा जारी ''इंडियाज बेस्ट कंपनीज टू वर्क फॉर-2026'' की टॉप-100 सूची में कंपनी को यह स्थान मिला है। इस सूची में पहले तीन स्थानों पर हिल्टन, सिस्को सिस्टम्स इंडिया और सिंक्रोनी इंटरनेशनल सर्विसेज रहे। यह रैंकिंग ''ग्रेट प्लेस टू वर्क इंस्टीट्यूट'' द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में घोषित की गई। देश के सबसे बड़े रिटेल नेटवर्क का संचालन करने वाली रिलायंस रिटेल के भारत में 1,30,457 कर्मचारी हैं। इतने बड़े कर्मचारी आधार के साथ टॉप-100 कंपनियों में 13वां स्थान प्राप्त करना कंपनी की मजबूत कार्य-संस्कृति का महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और रिलायंस रिटेल को संयुक्त रूप से ''इंडियाज बेस्ट एम्प्लॉयर्स अमंग नेशन-बिल्डर्स'' श्रेणी में भी सम्मानित किया गया है। यह मान्यता उन संस्थानों को दी जाती है, जिनका योगदान केवल व्यावसायिक सफलता तक सीमित न रहकर रोजगार सृजन, आवश्यक सेवाओं और राष्ट्रीय विकास में भी महत्वपूर्ण होता है। ''ग्रेट प्लेस टू वर्क'' की रैंकिंग कर्मचारियों के अनुभव और संगठन की कार्य-संस्कृति के व्यापक मूल्यांकन पर आधारित होती है। इसमें ट्रस्ट इंडेक्स सर्वे को 75 प्रतिशत तथा कल्चरल ऑडिट को 25 प्रतिशत वेटेज दिया जाता है। संस्था के अनुसार इस सूची में स्थान पाने का आधार किसी जूरी या व्यक्तिगत राय पर नहीं, बल्कि कर्मचारियों की प्रतिक्रिया और संगठन की कार्य-संस्कृति होती है। रिलायंस रिटेल की यह उपलब्धि ऐसे समय में आई है, जब रिटेल क्षेत्र तेजी से बदल रहा है। ऑनलाइन और ऑफलाइन कारोबार के विस्तार, तकनीक के बढ़ते उपयोग, मजबूत सप्लाई चेन और व्यापक स्टोर संचालन के बीच यह रैंकिंग कंपनी की कर्मचारी-केंद्रित कार्य-संस्कृति और बेहतर कार्य वातावरण को रेखांकित करती है।

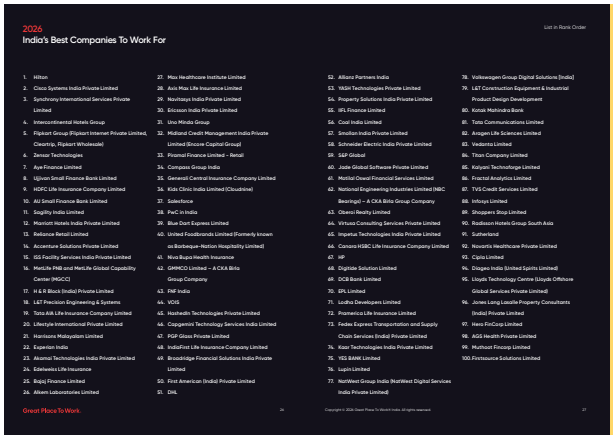

2026

India's Best Companies To Work For

List in Rank Order

1. Hilton
2. Cisco Systems India Private Limited
3. Synchrony International Services Private Limited
4. Intercontinental Hotels Group
5. Flipkart Group (Flipkart Internet Private Limited, Cleartrip, Flipkart Wholesale)
6. Zensar Technologies
7. Aye Finance Limited
8. Ujjivan Small Finance Bank Limited
9. HDFC Life Insurance Company Limited
10. AU Small Finance Bank Limited
11. Sagility India Limited
12. Marriott Hotels India Private Limited
13. Reliance Retail Limited
14. Accenture Solutions Private Limited
15. ISS Facility Services India Private Limited
16. MetLife PNB and MetLife Global Capability Center (MGCC)
17. H & R Block (India) Private Limited
18. L&T Precision Engineering & Systems
19. Tata AIA Life Insurance Company Limited
20. Lifestyle International Private Limited
21. Harrisons Malayalam Limited
22. Experian India
23. Akamai Technologies India Private Limited
24. Edelweiss Life Insurance
25. Bajaj Finance Limited
26. Alkem Laboratories Limited
27. Max Healthcare Institute Limited
28. Axis Max Life Insurance Limited
29. Navitasys India Private Limited
30. Ericsson India Private Limited
31. Uno Minda Group
32. Midland Credit Management India Private Limited (Encore Capital Group)
33. Piramal Finance Limited - Retail
34. Compass Group India
35. Generali Central Insurance Company Limited
36. Kids Clinic India Limited (Cloudnine)
37. Salesforce
38. PwC in India
39. Blue Dart Express Limited
40. United Foodbrands Limited (Formerly known as Barbeque-Nation Hospitality Limited)
41. Niva Bupa Health Insurance
42. GMMCO Limited – A CKA Birla Group Company
43. FNF India
44. VOIS
45. HashedIn Technologies Private Limited
46. Capgemini Technology Services India Limited
47. PGP Glass Private Limited
48. IndiaFirst Life Insurance Company Limited
49. Broadridge Financial Solutions India Private Limited
50. First American (India) Private Limited
51. DHL
52. Allianz Partners India
53. YASH Technologies Private Limited
54. Property Solutions India Private Limited
55. IIFL Finance Limited
56. Coal India Limited
57. Smollan India Private Limited
58. Schneider Electric India Private Limited
59. S&P Global
60. Jade Global Software Private Limited
61. Motilal Oswal Financial Services Limited
62. National Engineering Industries Limited (NBC Bearings) – A CKA Birla Group Company
63. Oberoi Realty Limited
64. Virtusa Consulting Services Private Limited
65. Impetus Technologies India Private Limited
66. Canara HSBC Life Insurance Company Limited
67. HP
68. Digitide Solution Limited
69. DCB Bank Limited
70. EPL Limited
71. Lodha Developers Limited
72. Pramerica Life Insurance Limited
73. Fedex Express Transportation and Supply Chain Services (India) Private Limited
74. Kaar Technologies India Private Limited
75. YES BANK Limited
76. Lupin Limited
77. NatWest Group India (NatWest Digital Services India Private Limited)
78. Volkswagen Group Digital Solutions [India]
79. L&T Construction Equipment & Industrial Product Design Development
80. Kotak Mahindra Bank
81. Tata Communications Limited
82. Aragen Life Sciences Limited
83. Vedanta Limited
84. Titan Company Limited
85. Kalyani Technoforge Limited
86. Fractal Analytics Limited
87. TVS Credit Services Limited
88. Infosys Limited
89. Shoppers Stop Limited
90. Radisson Hotels Group South Asia
91. Sutherland
92. Novartis Healthcare Private Limited
93. Cipla Limited
94. Diageo India (United Spirits Limited)
95. Lloyds Technology Centre (Lloyds Offshore Global Services Private Limited)
96. Jones Lang Lasalle Property Consultants (India) Private Limited
97. Hero FinCorp Limited
98. AGS Health Private Limited
99. Muthoot Fincorp Limited
100. Firstsource Solutions Limited

Great Place To Work. 26

Copyright © 2026 Great Place To Work® India. All rights reserved. 27

''ग्रेट प्लेस टू वर्क'' की रैंकिंग कर्मचारियों के अनुभव और संगठन की कार्य-संस्कृति के व्यापक मूल्यांकन पर आधारित होती है। इसमें ट्रस्ट इंडेक्स सर्वे को 75 प्रतिशत तथा कल्चरल ऑडिट को 25 प्रतिशत वेटेज दिया जाता है।

बड़ों की सेवा से पुण्यवाणी खिलती है, परमात्मा भक्ति से जीवन होता है प्रकाशित : युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। श्रमणसंघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी महाराज ने कहा कि बड़ों की सेवा से पुण्यवाणी खिलती और बढ़ती है, जबकि परमात्मा की भक्ति जीवन को आध्यात्मिक ऊंचाइयों तक पहुंचाती है। सेवा, विनय और भक्ति ही जीवन की वास्तविक संपदा हैं। वे शुक्रवार प्रातः चित्तौड़ रोड स्थित सज्जन विला कॉलोनी में आयोजित भक्तामर पाठ एवं प्रार्थना सभा को संबोधित कर रहे थे। युवाचार्यश्री ने कहा कि जिस परिवार और समाज में बड़ों के प्रति आदर, सम्मान और सेवा का भाव जीवित रहता है, वहां संस्कारों की धारा निरंतर प्रवाहित होती है। माता-पिता, गुरुजन एवं वरिष्ठजनों की सेवा केवल सामाजिक कर्तव्य नहीं, बल्कि आत्मकल्याण का श्रेष्ठ साधन है। सेवा से विनम्रता आती है और विनम्रता से जीवन में पुण्य का संचय होता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में भौतिक उपलब्धियों की दौड़ में मनुष्य संबंधों और संस्कारों से दूर होता जा रहा है, जबकि भारतीय संस्कृति में सदैव बड़ों के सम्मान तथा गुरुजनों के प्रति श्रद्धा को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। यदि युवा पीढ़ी सेवा, संस्कार और सदाचार को अपने जीवन में अपनाए तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव है। युवाचार्यश्री ने कहा कि बड़ों का सम्मान और सेवा मनुष्य के जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। सेवा से पुण्य की वृद्धि होती है और परमात्मा की भक्ति से आत्मा को शांति प्राप्त होती है। यदि जीवन में सेवा, श्रद्धा और संस्कार का समन्वय हो जाए तो व्यक्ति का जीवन स्वयं प्रकाशित हो जाता है तथा परिवार और समाज दोनों सुदृढ़ बनते हैं। भक्तामर पाठ एवं प्रार्थना सभा में हितमित भाषी हितेन्द्र ऋषिजी, मेवाड़ गौरव रविन्द्र मुनिजी, महासती मधुकंवरजी एवं उपप्रवर्तिनी दिव्यज्योति श्रीजी सहित साधु-साध्वीवृंद का सान्निध्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर नीता ललित बाबेल ने युवाचार्यश्री एवं साधु-साध्वीवृंद का अभिनंदन किया।

निर्जला एकादशी पर कमला बाई चैरिटेबल ट्रस्ट ने 10 हजार लोगों को कराया शरबत वितरण

जयपुर. शाबाश इंडिया। कमला बाई चैरिटेबल ट्रस्ट पिछले 10 वर्षों से समाजहित एवं जनकल्याण के विभिन्न कार्यों में निरंतर सक्रिय है। ट्रस्ट द्वारा संचालित ''निवाला-एक कोशिश'' अभियान के अंतर्गत निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर 25 जून 2026 को विशाल शरबत वितरण सेवा का आयोजन किया गया। इस सेवा अभियान के माध्यम से लगभग 10 हजार लोगों को शीतल शरबत वितरित किया गया। भगवान श्री विष्णु को समर्पित निर्जला एकादशी के पावन पर्व पर जल सेवा एवं शीतल पेय वितरण का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन श्रद्धा एवं सेवा भाव से की गई जल सेवा से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। ट्रस्ट की ओर से बताया गया कि यह सेवा मानवता, परोपकार और भारतीय संस्कृति की परंपराओं के अनुरूप पूर्वजों की पुण्य स्मृति को समर्पित रही। संस्था का उद्देश्य समाज में सेवा, सद्भाव और सहयोग की भावना को बढ़ावा देना है। ट्रस्ट भविष्य में भी इसी प्रकार के जनकल्याणकारी एवं सामाजिक सेवा कार्य निरंतर संचालित करता रहेगा।

।। ॐ नमः सिद्धेभ्य ।।

श्री पद्मप्रभु दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, नेवटा, सांगानेर (जयपुर)

जिन मंदिर शिखर शुद्धि संस्कार एवं ध्वजदण्ड आरोहण

जाप्यानुष्ठान, चौसठ ऋद्धि विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ

रविवार 28 जून, 2026 समय : प्रात: 6:15 बजे से मध्याह्न तक

प्रतिष्ठाचार्य

व्याख्यान वाचस्पति, संहितासूरी, प्रतिष्ठा-वाणीभूषण
पं. श्री विमलकुमारजी जैन (बनेठा वाले)
जयपुर ● मो.: 9829195197

प्रतिष्ठा के मुख्य पात्र

ध्वजारोहणकर्ता

श्री अमित जी-एकता जी, प्रेक्षा जी, प्रियांश जी पाटनी, जयपुर

सौधर्म इन्द्र

श्री संजय जी-सीमा जी कासलीवाल (साईवाड़ वाले), जयपुर

यज्ञनायक

श्री राहुल जी-नीलू जी कासलीवाल (फागी वाले), जयपुर

कुबेर इन्द्र

श्री अभिषेक जी-रीना जी जैन बैनाड़ा, खटवाड़ा वाले, जयपुर

ध्वजदण्ड आरोहणकर्ता

श्री विकास जी-शालू जी, सिद्धी जी, ध्वनि जी, कर्तव्य जी पाटनी, दुर्गापुरा

पूजन सामग्री पुण्यार्जक
श्री भागचन्द जी, ताराचंद जी, मनीष कुमार जी, विकास कुमार जी जैन (नेवटा वाले)

भोजन पुण्यार्जक
बैनाड़ा परिवार खटवाड़ा वाले

आयोजक :
प्रबन्धकारिणी समिति एवं समस्त ट्रस्टीगण, नेवटा, सांगानेर (जयपुर)
एवं सकल दिगम्बर जैन समाज, नेवटा

विशेष व्यवस्था : सभी साधर्मी बन्धुओं के लिए अल्पाहार (नाश्ता) एवं मध्याह्न में वात्सल्य भोज की व्यवस्था रहेगी।

इनरव्हील क्लब ऑफ कोटा नॉर्थ को डिस्ट्रिक्ट असेंबली में मिले 21 प्रतिष्ठित सम्मान

उत्कृष्ट सेवा कार्यों के लिए सम्मानित, अध्यक्ष ने प्रोजेक्ट डायरेक्टर्स को किए पुरस्कार वितरित

कोटा. (आजाद शेरवानी)

अहमदाबाद में आयोजित इनरव्हील डिस्ट्रिक्ट-305 की डिस्ट्रिक्ट असेंबली में इनरव्हील क्लब ऑफ कोटा नॉर्थ को उत्कृष्ट सामाजिक सेवा कार्यों के लिए 21 प्रतिष्ठित डिस्ट्रिक्ट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि से क्लब के साथ-साथ कोटा का भी गौरव बढ़ा है। क्लब अध्यक्ष प्रमिला पारीक एवं सचिव रजनी अरोड़ा ने बताया कि डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन बिंदू गुप्ता ने क्लब को विभिन्न सेवा प्रकल्पों में उल्लेखनीय एवं प्रभावी कार्यों के लिए ये सम्मान प्रदान किए। क्लब को महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य जागरूकता, बोन डेंसिटी एवं एनीमिया जांच शिविर, फिजियोथेरेपी, सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण एवं जागरूकता, नेत्र एवं दंत चिकित्सा शिविर, मोतियाबिंद ऑपरेशन, शिक्षा सामग्री वितरण, 'मेरी किताब' अभियान, महिला सुरक्षा रैली, मानसिक स्वास्थ्य, स्तन कैंसर एवं स्वच्छता जागरूकता, साइबर अपराध जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, ईको टोट बैग वितरण, जीव सेवा, चिकित्सकों का सम्मान, तीन हैप्पी स्कूल पूर्ण करने, जरूरतमंद कन्याओं के विवाह सहयोग, 'वेस्ट टू वेल्थ' जागरूकता, आयुर्वेदिक मेडिकल विद्यार्थियों को उपयोगी सामग्री उपलब्ध कराने तथा बालिका गृह को वॉशिंग मशीन भेंट करने सहित अनेक सेवा कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि क्लब की प्रत्येक सदस्य की निष्ठा, समर्पण और टीम भावना का परिणाम है। इन सम्मानों ने सिद्ध किया है कि समाजहित में किए गए छोटे-छोटे प्रयास भी व्यापक परिवर्तन का आधार बनते हैं। यह सम्मान क्लब के लिए भविष्य में और अधिक सेवा कार्य करने की प्रेरणा है। क्लब की पूर्व अध्यक्ष (आई.पी.पी.) सरिता भूटानी ने सभी पदाधिकारियों, सदस्यों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान पूरे क्लब परिवार की सेवा भावना, समर्पण और सामूहिक प्रयासों का प्रतिफल है। उन्होंने विश्वास जताया कि इन उपलब्धियों से प्रेरित होकर इनरव्हील क्लब ऑफ कोटा नॉर्थ भविष्य में भी समाजहित के लिए अधिक प्रभावी, संवेदनशील एवं जनकल्याणकारी सेवा प्रकल्पों का संचालन करता रहेगा। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष प्रमिला पारीक ने विभिन्न प्रोजेक्ट डायरेक्टर्स को पुरस्कार वितरित किए। कार्यक्रम में गुरप्रीत आनंद, नीता सिंह गौड़, सुशीला मित्तल, विजेता गुप्ता, शशि झंवर, शिखा अग्रवाल, दीपिका चौहान, विद्या गर्ग, संगीता विजय सहित क्लब की अनेक सदस्याएं उपस्थित रहीं।

निर्जला एकादशी पर विजयवर्गीय समाज सेवा समिति ने लगाया सेवा शिविर

जयपुर. शाबाश इंडिया

निर्जला एकादशी के पावन एवं पुण्यदायी अवसर पर विजयवर्गीय समाज सेवा समिति, मानसरोवर द्वारा वी.टी. रोड स्थित शनि मंदिर के समीप श्रद्धालुओं एवं राहगीरों के लिए सेवा शिविर का आयोजन किया गया। भीषण गर्मी को देखते हुए शिविर में ठंडाई, मिल्क रोज, आइसक्रीम एवं कुल्फी का वितरण किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं राहगीरों ने सेवा का लाभ उठाया तथा समिति के इस जनकल्याणकारी प्रयास की सराहना की। समिति के अध्यक्ष आनन्द विजयवर्गीय ने बताया कि सेवा शिविर का आयोजन पूर्व अध्यक्ष प्रेम नारायण विजयवर्गीय, अध्यक्ष आनन्द विजयवर्गीय, महामंत्री दिनेश विजय, कोषाध्यक्ष योगेश विजय, मुख्य संयोजक राजेन्द्र विजयवर्गीय (एडवोकेट), मुख्य सलाहकार सुरेन्द्र विजयवर्गीय, सलाहकार यदुनन्दन विजयवर्गीय तथा महिला संयोजिका अनीता विजयवर्गीय के नेतृत्व में संपन्न हुआ। समिति के सभी सदस्यों ने पूरे उत्साह, समर्पण एवं सेवा भावना के साथ अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अवसर पर राजेश विजयवर्गीय, जितेन्द्र विजयवर्गीय, राजेन्द्र गुप्ता, रामअवतार विजयवर्गीय, रामजीलाल विजयवर्गीय एवं आशीष विजयवर्गीय सहित अनेक सदस्यों ने सेवा कार्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वहीं महिला सदस्यों शकुन्तला विजयवर्गीय, संतोष विजयवर्गीय, रीतु विजयवर्गीय, निर्मला विजयवर्गीय, सुनीता विजयवर्गीय, शैल विजयवर्गीय, शशि विजयवर्गीय, मीनू विजयवर्गीय एवं विनती विजयवर्गीय ने भी पूरे उत्साह एवं समर्पण के साथ सेवा कार्य में सहयोग प्रदान किया। समिति पदाधिकारियों ने कहा कि निर्जला एकादशी केवल धार्मिक आस्था का पर्व ही नहीं, बल्कि सेवा, दान और परोपकार की भारतीय संस्कृति का जीवंत प्रतीक भी है। इसी भावना को आत्मसात करते हुए समिति निरंतर समाजहित एवं जनसेवा के विविध कार्यों का आयोजन करती रही है तथा भविष्य में भी ऐसे सेवा प्रकल्पों के माध्यम से मानवता की सेवा के अपने संकल्प को आगे बढ़ाती रहेगी।

जंगल जलेबी: प्रकृति का स्वादिष्ट उपहार और आयुर्वेद का अमूल्य खजाना

सत्य भूषण शर्मा, उदयपुर (राजस्थान)

प्रकृति ने मानव जीवन को स्वस्थ, संतुलित और समृद्ध बनाने के लिए अनेक प्रकार के फल, फूल, औषधियाँ और वनस्पतियां प्रदान की हैं। आधुनिक जीवनशैली और बाजारू खाद्य पदार्थों की चकाचौंध में हम अपने आसपास उपलब्ध ऐसे अनेक प्राकृतिक खजानों को भूलते जा रहे हैं, जो न केवल स्वाद में अद्वितीय हैं बल्कि स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अत्यंत लाभकारी हैं। इन्हीं में से एक है जंगल जलेबी, जिसे कई क्षेत्रों में विलायती इमली, मनीला इमली या गंगा इमली के नाम से भी जाना जाता है। अपने अनोखे आकार, खट्टे-मीठे स्वाद और औषधीय गुणों के कारण जंगल जलेबी वर्षों से ग्रामीण भारत के भोजन और पारंपरिक चिकित्सा का हिस्सा रही है। आज विज्ञान और आयुर्वेद दोनों इसके गुणों को स्वीकार कर रहे हैं।

क्या है जंगल जलेबी?

जंगल जलेबी का वैज्ञानिक नाम पिथेसेलोबियमदुल्से है। यह एक मध्यम से बड़ा वृक्ष होता है जो सामान्यतः 15 से 20 मीटर तक ऊँचा हो सकता है। इसकी सबसे बड़ी पहचान इसकी घुमावदार फलियाँ हैं, जो देखने में बिल्कुल जलेबी जैसी प्रतीत होती हैं। फल पकने पर गुलाबी या लाल रंग की फली के भीतर सफेद अथवा गुलाबी गूदा विकसित होता है, जिसे खाया जाता है। यह वृक्ष शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में भी आसानी से विकसित हो जाता है तथा कम पानी में भी जीवित रह सकता है। यही कारण है कि यह भारत के अनेक राज्यों में सड़क किनारे, खेतों की मेड़ों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सहजता से दिखाई देता है।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जंगल जलेबी

आधुनिक वैज्ञानिक अध्ययनों में पाया गया है कि जंगल जलेबी के फल, पत्तियाँ, छाल और बीज अनेक जैव सक्रिय तत्वों से भरपूर होते हैं। इसके फलों में विटामिन सी, कैल्शियम, फॉस्फोरस, आयरन तथा विभिन्न प्रकार के एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। एंटीऑक्सीडेंट शरीर में बनने वाले मुक्त कणों को नियंत्रित करने में सहायता करते हैं, जिससे कोशिकाओं की क्षति

कम होती है और अनेक रोगों से बचाव संभव होता है। इसके अतिरिक्त यह रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक माना जाता है। पाचन तंत्र को सक्रिय रखने में मदद करता है। शरीर को प्राकृतिक ऊर्जा प्रदान करता है। कुछ शोधों में इसके जीवाणुरोधी और सूजनरोधी गुणों का भी उल्लेख मिलता है। इसके सेवन से शरीर को प्राकृतिक खनिज और सूक्ष्म पोषक तत्व प्राप्त होते हैं। आयुर्वेद की दृष्टि में महत्व आयुर्वेद का मूल सिद्धांत है कि प्रकृति में उपलब्ध प्रत्येक वनस्पति किसी न किसी रूप में मानव कल्याण का माध्यम है। जंगल जलेबी भी इसी श्रेणी में आती है। आयुर्वेदिक मतानुसार इसका स्वाद मधुर एवं अम्लीय होता है, जो भूख बढ़ाने और पाचन क्रिया को सुदृढ़ बनाने में सहायक माना जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में इसके फल का उपयोग पेट संबंधी सामान्य समस्याओं में किया जाता रहा है। इसके अतिरिक्त इसकी छाल का उपयोग पारंपरिक चिकित्सा में कुछ स्थानों पर दस्त और पाचन विकारों में किया जाता है। पत्तियों का लेप त्वचा संबंधी सामान्य समस्याओं में प्रयोग किया जाता रहा है। फल शरीर को शीतलता प्रदान करने वाले माने जाते हैं। यह प्राकृतिक रूप से पोषण देने वाला फल माना जाता है। हालाँकि किसी भी औषधीय उपयोग के लिए विशेषज्ञ आयुवेर्दाचार्य की सलाह आवश्यक है।

बदलती जीवनशैली में बढ़ता महत्व

आज बाजार में उपलब्ध अधिकांश खाद्य पदार्थ अत्यधिक प्रसंस्कृत हैं, जिनमें कृत्रिम रंग, स्वादवर्धक और संरक्षक मिलाए जाते हैं। इसके विपरीत जंगल जलेबी जैसे प्राकृतिक फल बिना किसी रासायनिक प्रसंस्करण के सीधे प्रकृति से प्राप्त होते हैं। बच्चों में जंक फूड की बढ़ती आदत, विटामिन की कमी और कमजोर प्रतिरक्षा क्षमता जैसी समस्याओं के बीच ऐसे पारंपरिक फलों का महत्व और बढ़ जाता है। यदि स्थानीय स्तर पर इनका संरक्षण और प्रचार किया जाए तो यह पोषण सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक

जंगल जलेबी केवल स्वास्थ्य के लिए ही उपयोगी नहीं है, बल्कि पर्यावरण के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण वृक्ष है। इसकी जड़ें मिट्टी को बांधे रखती हैं, जिससे कटाव कम होता है। यह वृक्ष कम पानी में भी बढ़ता है, इसलिए जल संकट वाले क्षेत्रों में हरित आवरण बढ़ाने का अच्छा विकल्प बन सकता है। इसके घने वृक्ष पक्षियों को आश्रय प्रदान करते हैं तथा स्थानीय जैव विविधता को बनाए रखने में मदद करते हैं। जलवायु परिवर्तन के दौर में ऐसे वृक्षों का संरक्षण पर्यावरणीय संतुलन के लिए आवश्यक है। जंगल जलेबी केवल एक स्वादिष्ट फल नहीं, बल्कि पोषण, स्वास्थ्य और पर्यावरण का अनमोल संगम है। आधुनिक विज्ञान इसके पोषक तत्वों और औषधीय संभावनाओं की पुष्टि कर रहा है, जबकि आयुर्वेद सदियों से इसके महत्व को स्वीकार करता आया है। आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने पारंपरिक प्राकृतिक खाद्य स्रोतों को पुनः पहचानें, उनका संरक्षण करें और नई पीढ़ी को उनके महत्व से परिचित कराएँ। यदि हम प्रकृति के इन उपहारों को अपने जीवन का हिस्सा बनाएँ, तो स्वास्थ्य, पर्यावरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था—तीनों को एक साथ लाभ पहुँचाया जा सकता है।

मोहर्रम जुलूस में महावीर इंटरनेशनल ने किया सदर का सम्मान

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

''सबकी सेवा, सबको प्यार-जियो और जीने दो'' के उद्देश्य से कार्यरत महावीर इंटरनेशनल, कुचामन सिटी द्वारा मुस्लिम समाज के ऐतिहासिक मोहर्रम ताजिया जुलूस के अवसर पर मदरसा इस्लामिया सोसाइटी, कुचामन के सदर सलीम कुरैशी, युवा नेता रफीक खान, हबीब सोलंकी, याकूब भाटी, नासीर एवं हारून कारीगर का आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया। संस्था की ओर से अध्यक्ष वीर रामावतार गोयल, वीर अशोक गंगवाल, वीर संदीप, वीर निर्मल पांड्या, वीर तेजकुमार बड़जात्या, वीर सम्पत बगड़िया, वीर बलराम प्रधान तथा वीर गोरधन गोयल ने अतिथियों का दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया। इस अवसर पर कुचामन की ऐतिहासिक गंगा-जमुनी तहजीब, आपसी भाईचारे एवं सामाजिक सद्भाव का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम के दौरान मदरसा इस्लामिया सोसाइटी की ओर से भी महावीर इंटरनेशनल के वरिष्ठ सदस्य वीर तेजकुमार बड़जात्या का साफा पहनाकर सम्मान किया गया। यह आयोजन सामाजिक समरसता, पारस्परिक सम्मान और सर्वधर्म सद्भाव का प्रेरणादायी उदाहरण बना।

— वीर सुभाष पहाड़िया जैन

निर्जला एकादशी पर पिंक क्लब वेलफेयर सोसाइटी एवं सेव आवर सिटी ने किया सेवा कार्य

जयपुर. शाबाश इंडिया

निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर पिंक क्लब वेलफेयर सोसाइटी एवं सेव आवर सिटी की ओर से शक्ति स्तंभ पर सेवा शिविर का आयोजन किया गया। डॉ. अमला बत्रा के निर्देशन में आयोजित इस सेवा अभियान के तहत आम, लस्सी, फ्रूटी, बिस्किट, पानी के कैंपर, चम्मच, कपड़े एवं जूतों का वितरण जरूरतमंद लोगों के बीच किया गया। डॉ. सुषमा के.के. एवं अनु सोगानी ने बताया कि संस्था द्वारा इस प्रकार के सेवा कार्यक्रम प्रत्येक माह आयोजित किए जाते हैं। इसके अंतर्गत कच्ची बस्तियों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर जरूरतमंद लोगों को आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद वर्ग तक सहायता पहुंचाकर सेवा और सहयोग की भावना को सशक्त बनाना है। कार्यक्रम में सुमित्रा, सुषमा गुप्ता, आभा, पूर्णिमा सहित अनेक सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई तथा भविष्य में भी इसी प्रकार के जनसेवा कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया। -डॉ. सुषमा के.के.

भगवान सुपार्श्वनाथ का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव श्रद्धापूर्वक मनाया

जैन मंदिरों में हुए विशेष धार्मिक आयोजन, 1 जुलाई को मनाया जाएगा भगवान आदिनाथ का गर्भ कल्याणक महोत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के सातवें तीर्थंकर भगवान सुपार्श्वनाथ का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव शुक्रवार को श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शहर के विभिन्न दिगम्बर जैन मंदिरों में अभिषेक, शांतिधारा, पूजन एवं विशेष धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि प्रातःकाल मंत्रोच्चार के साथ भगवान का अभिषेक किया गया तथा विश्व में सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना के साथ शांतिधारा संपन्न हुई। इसके पश्चात भगवान सुपार्श्वनाथ की अष्टद्रव्य से विधिवत पूजा-अर्चना की गई।

पूजन के दौरान जन्म कल्याणक श्लोक

''सुकलजेठ दुवादशि जन्मये,
सकल जीव सु आनन्द तन्मये।
त्रिदशराज जजैं गिरिराजजी,
हम जजैं पद मंगलसाजजी।।''

का उच्चारण करते हुए जन्म कल्याणक अर्घ्य समर्पित किया गया। इसी प्रकार तप कल्याणक श्लोक के उच्चारण के साथ जयघोष करते हुए तप कल्याणक अर्घ्य अर्पित किया गया। कार्यक्रम का समापन भगवान सुपार्श्वनाथ की महाआरती के साथ हुआ। विनोद जैन 'कोटखावदा'

ने बताया कि श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, चूलगिरी, श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, शांतिनाथ जी की खोह, श्री दिगम्बर जैन मंदिर चौबीस महाराज, श्री दिगम्बर जैन मंदिर जीऊबाईजी (मोती सिंह भोमियों का रास्ता), श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, जनकपुरी, संघीजी दिगम्बर जैन मंदिर, सांगानेर सहित शहर के अनेक दिगम्बर जैन मंदिरों में विशेष धार्मिक आयोजन संपन्न हुए। विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का गर्भ कल्याणक महोत्सव 1 जुलाई को श्रद्धा एवं भक्ति भाव से मनाया जाएगा। इस अवसर पर शहर के विभिन्न दिगम्बर जैन मंदिरों में अभिषेक, शांतिधारा, पूजन एवं अन्य विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

राष्ट्रीय संत मुनि तरुण सागर का मनाया 59वां जन्म दिवस

तरुण सागर जी के जन्मोत्सव पर शांति धारा कर विश्व शांति और साधु संत का विहार निर्विघ्न होता रहे

सीकर. शाबाश इंडिया

कड़वे प्रवचनों के लिए मशहूर क्रांतिकारी राष्ट्रसंत समाधिस्थ मुनि श्री तरुण सागर महाराज का 59 वां जन्मदिन बुधवार को सीकर स्थित मोचीवाड़ा, श्मशान घाट में मनाया। इस दौरान संतोष विनायक्या, सुमित प्रकाश मोदी, अनिल दीवान, जुगल काला, प्रियंक गंगवाल, नवरत्न छाबड़ा, विकास जयपुरिया पंकज सेठी करण सिंह शेखावत आदि उपस्थित थे उपस्थित व्यक्तियों ने श्मशान भूमि में पक्षियों के लिए परिंडे बांधे और गुरुदेव का जयकारा लगा कर तरुण सागर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित किया और आरती की। साथ ही जीवन की सच्चाई उजागर करने वाला गीत

आज जवानी पर इतरानेवाले कल पछताएगा!
चढ़ता सूरज धीरे-धीरे ढलता है ढल जाएगा....!

श्मशान भूमि में गूंजने लगा। प्रियंक जैन ने बताया कि तरुण सागर महाराज द्वारा नश्वरता का जिक्र करते हुए कहा गया है मुस्कुराते रहे यहां रोते हुए नहीं,हंसते हुए आना चाहिए। मौत एक जीवन की समाप्ति और दूसरे जीवन की शुरूआत है '' उन्होंने कहा है कि हमें अपनी मृत्यु को नजर अंदाज नहीं करना चाहिए। मौत जीवन की कड़वी सच्चाई है, इसे स्वीकारना ही

होगा। उल्लेखनीय है कि सन 2017 में क्रांतिकारी संत तरुण सागर दिल्ली से विहार करते हुए चातुर्मास के लिए सीकर जा रहे थे। तब 26 जून 2017 को उदयपुरवाटी स्थित शमशान भूमि में अपना 50 वा जन्म दिवस मनाया था। तरुण सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य पर्व सागर जी के माध्यम से संपूर्ण भारत में जन्म उत्सव पर विशेष 59000 णमो लोए सव्व साहूणं की माला का ऑनलाइन आयोजन हुआ जिसमें सीकर जैन समाज के धर्म प्रेमी बंधुओ ने विशेष रूप से भाग लिया और संपूर्ण भारत में 590 जैन मंदिरों में विशेष शांति धारा का आयोजन किया गया जिसमें सीकर के 11 जैन मंदिरों में से लगभग सभी जैन मंदिरों में देश व दुनिया में अपने कड़वे प्रवचनों के लिए मशहूर समाधिस्थ आचार्य क्रांतिकारी राष्ट्रसंत जैनमुनि श्री तरुणसागरजी महाराज के 59 वें अवतरण (जन्म) पर्व पर युद्ध रहित विश्व शांति की भावना और चातुर्मास हेतु पद यात्रा कर रहे सभी साधु संतों की सुरक्षा के भाव से शांतिधारा की गई।

जयपुर में पहली बार 108 बच्चों ने सीखी आहारदान की पवित्र विधि

पूज्य आचार्य प्रज्ञासागर महाराज के सानिध्य में मिला आहारदान का दुर्लभ सौभाग्य

जयपुर. शाबाश इंडिया

परम पूज्य आचार्य भगवान 108 प्रज्ञासागर महाराज की पावन प्रेरणा एवं मंगल सानिध्य में श्री चंद्रप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर, श्योपुर (प्रताप नगर), सांगानेर में 8 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए आहारदान प्रशिक्षण एवं संस्कार शिविर का भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन किया गया। राजस्थान जैन युवा महासभा, दक्षिण संभाग के अध्यक्ष चेतन जैन निमोड़िया ने बताया कि जयपुर में पहली बार

पूज्य गुरुदेव के सानिध्य में इस प्रकार का अनूठा एवं प्रेरणादायी संस्कार शिविर आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 108 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर में बच्चों को जैन परंपरा के अनुरूप आहारदान की संपूर्ण विधि, मर्यादाएं, नियम तथा धार्मिक संस्कारों का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के उपरांत सभी बच्चों ने पूज्य गुरुदेव से नियम ग्रहण कर स्वयं आहारदान करने का दुर्लभ एवं पुण्यदायी सौभाग्य प्राप्त किया। श्योपुर जैन समाज के अध्यक्ष दिलीप पाटनी एवं महामंत्री नेमीचंद बाकलीवाल ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ रमेश जैन एवं अरुण जैन परिवार द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम में श्योपुर (प्रताप नगर) सहित प्रताप नगर क्षेत्र के विभिन्न जैन मंदिरों के श्रद्धालुओं, अभिभावकों एवं समाजबंधुओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। इस विशाल आयोजन का सफल संचालन चंद्रप्रभु महिला मंडल की मंत्री श्रीमती अमिता शाह तथा चंद्रप्रभु नवयुवक मंडल के अध्यक्ष निमेष जैन ने अपनी समर्पित टीम के सहयोग से किया। पहली बार इतने बड़े स्तर पर आयोजित इस संस्कार शिविर की सभी ने मुक्तकंठ से सराहना की। अपने मंगल आशीर्वचनों में आचार्य भगवान 108 प्रज्ञासागर महाराज ने कहा कि बच्चों को बचपन से ही धर्म, संस्कार और गुरु भक्ति से जोड़ना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आहारदान केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि श्रद्धा, विनम्रता और आत्मकल्याण का श्रेष्ठ माध्यम है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित श्रद्धालुओं ने इस ऐतिहासिक पहल की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी ऐसे संस्कारमय आयोजन निरंतर होते रहेंगे, जिससे नई पीढ़ी जैन संस्कृति, गुरु परंपरा और धार्मिक मूल्यों से और अधिक जुड़ सके।

निर्जला एकादशी पर जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ ने 2 हजार लोगों को वितरित किया मिल्क रोज

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ की सामाजिक कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर गुरुवार, 25 जून 2026 को सेवा कार्य का आयोजन किया गया। ग्रुप के एग्जीक्यूटिव सदस्य संजय चंचल लुहाड़िया के सौजन्य से मान्यावास स्थित लुहाड़िया मटेरियल के बाहर राहगीरों को शीतल मिल्क रोज का वितरण किया गया। ग्रुप अध्यक्ष सुनील सोगानी ने बताया कि इस सेवा अभियान के माध्यम से लगभग 2,000 लोगों को मिल्क रोज वितरित किया गया। उन्होंने कहा कि निर्जला एकादशी के अवसर पर जनसेवा एवं परोपकार की भावना से आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष अभय गंगवाल, प्रिंस जैन, रानू जैन सहित ग्रुप के अनेक सदस्यों एवं संजय चंचल लुहाड़िया के परिवारजनों ने सेवा कार्य में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। ग्रुप के मुख्य संयोजक पदम कुमार जैन, संयोजक अरुण जैन, संजय गोधा एवं अजय गंगवाल सहित जेएसजी नॉर्थ की टीम ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

निर्जला एकादशी पर शहीद वाल्मीकि सर्व समाज विकास समिति ने किया शीतल पेय वितरण

डॉ. ओपी टांक एवं टीम ने बस्तीवासियों और राहगीरों की सेवा की

जयपुर. शाबाश इंडिया। निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर शहीद वाल्मीकि सर्व समाज विकास समिति, कठपुतली नगर की ओर से सेवा एवं मानवता का प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत करते हुए बस्तीवासियों एवं राहगीरों के लिए शीतल पेय वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। भीषण गर्मी से राहत प्रदान करने के उद्देश्य से आइसक्रीम, फ्रूटी, लस्सी एवं रसना का वितरण किया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने इस सेवा का लाभ उठाया तथा समिति के इस जनहितकारी प्रयास की सराहना की। कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष डॉ. ओपी टांक, उपाध्यक्ष अशोक शर्मा, महामंत्री गजानंद खींची सहित वार्ड-147 के भाजपा प्रत्याशी हेमराज खींची, नीरज, रोहित, मनीष सेन, वहीद खान, जीतू सेन, रवि भाट, अरुण गोगलिया, दीपक सोनवाल, विजय टांक एवं विनीत चांवरिया ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। इसके अतिरिक्त रामकिशन परेवा एवं पूजा खटीक ने फ्रूटी एवं लस्सी वितरण में, जबकि रतन चंदेल एवं अजय चंदेल ने रसना के पैकेट वितरित कर सेवा कार्य में योगदान दिया। समिति पदाधिकारियों ने कहा कि समाज सेवा एवं जनकल्याण के ऐसे कार्यक्रम भविष्य में भी निरंतर आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम का समापन सभी नागरिकों को निर्जला एकादशी की शुभकामनाएं देते हुए समाज में सेवा, सद्भाव और सहयोग की भावना को आगे बढ़ाने के संकल्प के साथ हुआ।

ध्वजारोहण के साथ दो दिवसीय वेदी प्रतिष्ठा महामहोत्सव का शुभारंभ

आज नवीन वेदियों में विराजमान होंगे जिनबिंब, शिखर पर होगा कलशारोहण

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री 1008 नेमिनाथ भगवान (धोरे वाले बाबा) अतिशय क्षेत्र दिगम्बर जैन मंदिर, पवालियां में आयोजित दो दिवसीय श्रीमज्जिनेन्द्र जिनबिंब वेदी प्रतिष्ठा महामहोत्सव का शुभारंभ शुक्रवार को ध्वजारोहण के साथ हुआ। क्षमामूर्ति साहित्य रत्नाकर आचार्य विशद सागर महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में आयोजित इस मांगलिक समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। मंदिर समिति के अध्यक्ष महावीर प्रसाद पाटनी ने बताया कि प्रातः 6:15 बजे पं. जिनेश जैन शास्त्री (चीकू भैया) के निर्देशन में मंगलाष्टक के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। जयघोष के बीच मूलनायक भगवान नेमिनाथ का नित्य अभिषेक एवं शांतिधारा संपन्न हुई। इसके बाद श्री धर्म जागृति संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष एवं समाजश्रेष्ठी पदमचंद बिलाला एवं पुष्पा बिलाला ने ध्वजारोहण कर महामहोत्सव का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर आयोजित धर्मसभा में आचार्य विशद सागर महाराज के पादप्रक्षालन का पुण्यार्जन महावीर प्रसादझकांता देवी पाटनी परिवार ने किया, जबकि दीप प्रज्ज्वलन महावीर प्रसादझगुड्डी झांझरी परिवार द्वारा किया गया। अपने मंगल प्रवचनों में आचार्य विशद सागर महाराज ने कहा कि ''धर्म की जड़ सदैव हरी रहती है। धर्म, दान और मानव सेवा के क्षेत्र में किया गया प्रत्येक कार्य जीवन में मधुर फल देता है। वर्तमान भौतिक युग में प्रत्येक व्यक्ति को धर्म एवं सेवा के लिए अवश्य समय निकालना चाहिए, क्योंकि यही कार्य उसके आगामी भव को सफल बनाते हैं।'' कार्यक्रम में राजस्थान जैन सभा के उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा', मुनिभक्त ज्ञानचंद जैन, अनिल जैन काशीपुरा, ओमप्रकाश कटारिया सहित अनेक अतिथियों का क्षेत्र कमेटी की ओर से स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। ध्वजारोहण के पश्चात बैंड-बाजों के साथ भव्य मंगल घट यात्रा निकाली गई। महिलाएं सिर पर मंगल कलश धारण कर भजन-कीर्तन करते हुए यात्रा में शामिल हुईं। मंदिर पहुंचने पर मंत्रोच्चार के बीच वेदी शुद्धि संस्कार संपन्न हुए। दोपहर में संगीतमय याज्ञ मंडल विधान पूजा आयोजित हुई, जिसमें इंद्र-इंद्राणियों ने अष्टद्रव्य से अर्घ्य समर्पित किए। मंदिर समिति के मंत्री मूलचंद पाटनी ने बताया कि महामहोत्सव में सौधर्म इंद्र मूलचंद-शांति देवी पाटनी, धनपति कुबेर बाबूलालझसरला बाकलीवाल, महायज्ञ नायक पदमचंदझकमला देवी सेठी तथा ईशान इंद्र नरेश कुमार-विमला देवी वेद (चैनपुरा) के नेतृत्व में श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना संपन्न हुई। सायंकाल श्रीजी की महाआरती के पश्चात गुरु भक्ति एवं धार्मिक भजन संध्या का आयोजन किया गया। कोषाध्यक्ष अशोक पाटनी ने बताया कि शनिवार, 27 जून को प्रातः नित्य अभिषेक एवं शांतिधारा के बाद श्रीवास्तु विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ हवन आयोजित होगा। आचार्यश्री के मंगल प्रवचनों के पश्चात दोपहर 12:15 बजे नवीन वेदियों में जिनबिंब विराजमान किए जाएंगे। भगवान आदिनाथ की वेदी प्रतिष्ठा का पुण्यार्जन भागचंदझ मगनबाला सौगानी (चाकसू) तथा भगवान चंद्रप्रभु की वेदी प्रतिष्ठा का पुण्यार्जन शांति देवी, सुशील एवं अनिल बाकलीवाल (शिवदासपुरा) परिवार द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर मंदिर शिखर पर कलशारोहण भी संपन्न होगा।

जयपुर के जैन यात्रियों ने भगवान शीतलनाथ की जन्मस्थली भद्दिलपुर में की नवग्रह शांति विधान पूजा

अयोध्या में पांच तीर्थंकरों के 18 कल्याणकों की पावन स्थलों एवं राम मंदिर के किए दर्शन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन पदयात्रा संघ, जयपुर के तत्वावधान में भगवान महावीर के सिद्धांतों, अहिंसा एवं शाकाहार के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से आयोजित 12 दिवसीय धार्मिक बस यात्रा के अंतर्गत यात्रियों ने जैन धर्म के 10वें तीर्थंकर भगवान शीतलनाथ की गर्भ एवं जन्म कल्याणक स्थली भद्दिलपुर में श्रद्धापूर्वक नवग्रह शांति विधान पूजा संपन्न की। संगीतमय पूजा के दौरान भगवान शीतलनाथ के जयघोष से मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। संघ के संरक्षक सुभाषचंद जैन एवं धार्मिक यात्रा के मुख्य संयोजक सुरेश ठोलिया के नेतृत्व में 17 जून को जयपुर से रवाना हुआ यात्रा दल दोपहर बाद अयोध्या पहुंचा, जहां जैन धर्म के पांच तीर्थंकरों के 18 कल्याणकों की पावन स्थलों, विभिन्न जैन मंदिरों तथा श्रीराम मंदिर के दर्शन कर वंदना की। संघ के प्रचार-प्रसार संयोजक विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि प्रातःकाल भगवान शीतलनाथ की सात फीट ऊंची लाल पाषाण की प्रतिमा का प्रथम अभिषेक अशोकझनिशा चांदवाड़ (झालरापाटन) एवं प्रकाशचंद बोहरा (लाखना) परिवार द्वारा किया गया। भगवान के केसर कलश का पुण्यार्जन यात्रा के मुख्य संयोजक सुरेश ठोलिया एवं संयोजक जिनेन्द्र जैन ने किया। विश्व में सुख, शांति, समृद्धि, वैभव, खुशहाली एवं आरोग्यता की कामना के साथ आयोजित शांतिधारा का पुण्यार्जन संरक्षक सुभाषचंद जैन एवं संयोजक अमरचंद दीवान (खोराबीसल) ने किया। इसके पश्चात नवग्रह शांति विधान पूजा में भगवान आदिनाथ, पद्मप्रभु, चंद्रप्रभु, पुष्पदंत, वासुपूज्य, मल्लिनाथ, मुनिसुव्रतनाथ, नेमीनाथ एवं पार्श्वनाथ की पूजा-अर्चना कर अष्टद्रव्य से अर्घ्य समर्पित किए गए। पूजा के दौरान आयोजित सम्मान समारोह में बंगाल-बिहार दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी के पदाधिकारी सुरेश झांझरी एवं समाजसेवी सुबोधझआशा गंगवाल का पदयात्रा संघ की ओर से सुभाषचंद जैन, सुरेश ठोलिया, सूर्यप्रकाश छाबड़ा, अमरचंद दीवान, सुनील चौधरी, मैना बाकलीवाल, राजेन्द्र जैन (मोजमाबाद), जिनेन्द्र जैन एवं शकुन्तला पाण्डया ने स्वागत एवं सम्मान किया। इस अवसर पर राजस्थान जैन सभा, जयपुर द्वारा प्रकाशित महावीर जयंती स्मारिका-2026 भी भेंट की गई। कार्यक्रम का संचालन सूर्यप्रकाश छाबड़ा ने किया। यात्रियों ने हाथों में चंवर लेकर जैन भजनों की मधुर प्रस्तुतियां दीं, जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया। सुभाषचंद जैन एवं सुरेश ठोलिया ने बताया कि यात्रा दल ने भगवान शीतलनाथ की तप एवं ज्ञान कल्याणक स्थली कोल्हुआ पहाड़ तथा निर्वाण कांड में वर्णित कोटिशिला क्षेत्र की वंदना भी की। इसके बाद यात्रा दल मुगलसराय पहुंचा। विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि अयोध्या में पांच जैन तीर्थंकरों की जन्मस्थलियों एवं 18 कल्याणकों की पावन स्थलों की वंदना के साथ श्रीराम मंदिर के दर्शन किए गए। शनिवार को बड़ी मूर्ति दिगम्बर जैन मंदिर में अभिषेक, शांतिधारा एवं पूजन के बाद जैन धर्म की सर्वोच्च गणिनी प्रमुख आर्यिका ज्ञानमती माताजी ससंघ के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त किए जाएंगे। इसके पश्चात यात्रा दल अहिच्छत्र पार्श्वनाथ अतिशय क्षेत्र के लिए रवाना होगा। उन्होंने बताया कि अहिच्छत्र पार्श्वनाथ वह पावन क्षेत्र है, जहां भगवान पार्श्वनाथ मुनि अवस्था में तपस्या कर रहे थे। इसी स्थान पर कमठ ने घोर उपसर्ग किया था, जिसे धरणेन्द्र एवं पद्मावती ने अपने नागफण के छत्र से दूर किया था। यात्रा दल रविवार को अंतिम केवली श्री जम्बू स्वामी की निर्वाण स्थली मथुरा चौरासी पहुंचेगा, जहां उनकी 18 फीट ऊंची एवं 65 टन वजनी ग्रेनाइट की पद्मासन प्रतिमा के दर्शन करेगा। इसके बाद रविवार, 28 जून की देर रात्रि को यात्रा दल जयपुर लौटेगा। संयोजक अमरचंद दीवान एवं सुनील चौधरी ने बताया कि यात्रा के दौरान अभिषेक, शांतिधारा, सामूहिक पूजन, पर्वत वंदना, दिगम्बर जैन संतों के दर्शन एवं प्रवचन लाभ के साथ धार्मिक एवं देशभक्ति आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम, मेरा भारत महान हाउजी, कवि सम्मेलन तथा भगवान महावीर के सिद्धांतों, अहिंसा एवं शाकाहार के प्रचार-प्रसार के विविध कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं।